L56- 8/12/18 (E)
8/12/18 (C)

[This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7075

Unique Paper Code : 62054306 IC

Name of the Paper : Hindi Katha Sahitya

Name of the Course : B.A. (Prog.) Hindi Discipline-CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) इन बड़े-बड़े आदमियों के किये कुछ न होगा। इन्हें बस रोना आता है, छोकरियों की भाँति बिसूरने के सिवा इनसे और कुछ नहीं हो सकता। बड़े-बड़े देस-भगतों को बिना विलायती सराब के चैन नहीं आता। उनके घर में जाकर देखो, तो एक भी देसी चीज न मिलेगी। दिखाने को दस-बीस कुरते गाढ़े के बनवा लिये, घर का और सब सामान विलायती है। सब के सब भोग-विलास में अन्धे हो रहे हैं, छोटे भी और बड़े भी। उस पर दावा यह है कि देस का उद्धार करेंगे।

munotes.in

अथवा

मानव-जीवन की सबसे महान् घटना कितनी शान्ति के साथ घटित हो जाती है। इस विश्व का एक महान् अंग, वह महत्त्वाकांक्षाओं का प्रचण्ड सागर, वह उद्योग का अनन्त भण्डार, वह प्रेम और द्वेष, सुख और दु:ख का लीला-क्षेत्र, वह बुद्धि और बल की रंगभूमि न जाने कब और कहाँ लीन हो जाती है, किसी को खबर नहीं होती। एक हिचकी भी नहीं, एक उच्छ्वास भी नहीं, एक आह भी नहीं निकलती। सागर की हिलोरों का कहाँ अन्त होता है, कौन बता सकता है।

(ख) तब एकाएक मैंने जाना कि वह भावना मिथ्या नहीं है, मैंने देखा कि सचमुच उस कुटुम्ब में कोई गहरी भयंकर छाया घर कर गई है, उनके जीवन के इस पहले ही यौवन में घुन की तरह लग गई है, उसका इतना अभिन्न अंग हो गई है कि वे उसे पहचानते ही नहीं, उसी की परिधि में घिरे हुए चले जा रहे हैं। इतना ही नहीं, मैंने उस छाया को देख भी लिया .....

अथवा

वे रूहें चुपचाप धुन्ध के समुद्र में बढ़ती जा रही हैं ..... बसों में भीड़ है। लोग ठण्डी सीटों पर सिकुड़े हुए बैठे हैं और कुछ लोग बीच में ही ईसा की तरह सलीब पर लटके हुए हैं—बाँहें पसारे, उनकी हथेलियों में कीलें नहीं बस की बर्फीली चमकदार छड़ें हैं। 10+10

2. उपन्यास कला की दृष्टि से 'गबन' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'गबन' उपन्यास की मूल समस्या का विवेचन कीजिए।

3. कहानी के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

कहानी में भाषा शैली के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

4. उपन्यास के स्वरूप और संरचना का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। 12

अथवा

उपन्यास में कथानक के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

5. 'परदा' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। 12

munotes.in

अथवा

''दिल्ली में एक मौत' सामाजिक सम्बन्धों के बिखराव की कहानी है।' स्पष्ट कीजिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) 'दाज्यू' की कथावस्तु

(ख) 'हरी बिंदी' की मूल समस्या

(ग) 'रोज' कहानी का प्रतिपाद्य।

munotes.in